रविवार
28 अप्रैल 2024

पृष्ठ 4
सुबह का नाश्ता छोड़ना सेहत के...

पृष्ठ 5
धासूं अंदाज में दिखी लेडी सिंघम दीपिका...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 89
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
— पं. मोतीलाल नेहरू

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

करोड़ों रुपये की ड्रग्स के साथ कोबरा गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने करोड़ों रूपये की ड्रग्स के साथ कोबरा गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया, जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि अवैध नशे के कारोबार में लिप्त लोगों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि आज थाना प्रेमनगर को मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु पूर्व से ही गठित टीम के माध्यम से कोबरा गैंग के सदस्यों द्वारा देहरादून में हाई प्रोफाइल ड्रग एलएसडी सप्लाई किये जाने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर थानाध्यक्ष प्रेमनगर द्वारा थाना स्तर पर तत्काल अलग अलग टीमें गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए रवाना किया गया। मिली सूचना पर चैकिंग के दौरान नंदा की चौकी बिधोली रोड से 3 लोगों को हाईप्रोफाइल मादक पदार्थ एलएसडी 2058 ब्लॉटस, 6 ग्राम अवैध हेरोइन तथा इलेक्ट्रॉनिक मिनी तराजू, के

साथ गिरफ्तार किया गया, तथा तस्करी में प्रयुक्त 02 वाहनो को सीज किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रजत भाटिया पुत्र अशोक भाटिया निवासी हकीकत नगर थाना सदर, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, शिवम अरोड़ा पुत्र अशोक अरोड़ा निवासी हकीकत नगर थाना सदर जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश, कृष गिरोटी पुत्र स्वर्गीय प्रवीण गिरोटी निवासी ईदगाह चकराता रोड थाना कैंट बताया। उन्होंने बताया कि वे तीनों एक दूसरे से एक पार्टी में मिले थे, जहाँ से उनकी अच्छी दोस्ती हो गयी थी, जिसके बाद वे तीनो कोबरा गैंग के सम्पर्क में आ गये तथा देहरादून में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रो तथा पार्टीयों में एलएसडी एवं हेरोइन की सप्लाई करने लगे। रजत भाटिया द्वारा बंगलौर स्थित डीलर से डार्क वेब पर हाईप्रोफाइल ड्रग्स को आर्डर कर कुरियर के माध्यम से एलएसडी मंगवाता है तथा कृष गिरोटी, जो एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान का छात्र है व शिवम अरोडा जो पूर्व एक अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान का छात्र रहा था, अलग-अलग शिक्षण संस्थानो के छात्रों से सम्पर्क कर उन्हें एलएसडी तथा अन्य मादक पदार्थ महंगे दामों मे उपलब्ध कराते है। ▶▶ शेष पृष्ठ 2 पर

जंगल की आग बुझाने पर सरकार देगी एक लाख रुपए ईनाम!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जंगल की आग बुझाने पर प्रदेश सरकार वनाग्नि प्रबंधन समितियों को 25 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक का इनाम देगी। वहीं, विशेष परिस्थितियों में हेलिकॉप्टर की भी मदद ली जाएगी।

वन मुख्यालय के मंथन सभागार में मीडिया से वार्ता करते हुए वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि बिना जनसहभागिता के जंगल की आग से नहीं निपटा जा सकता। ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में 541 वनाग्नि प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है, जिन्हें सीजन के लिए 30-30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी गई है, जबकि उत्कृष्ट काम करने वाली 13 वनाग्नि प्रबंधन समितियों को एक-एक लाख रुपये, 13 समितियों को 50-50 हजार रुपये एवं 13 वनाग्नि प्रबंधन समितियों को 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

वन मंत्री ने बताया, जंगल में आग लगने की तीन प्रमुख वजह है। किसान खेतों में खरपतवार जलाते हैं। दूसरा जंगल में जलती बीडी, सिगरेट

फेंकने एवं तीसरा शरारती तत्वों की ओर से जंगल में आग लगाने से वनाग्नि की घटनाएं होती हैं। शरारती तत्वों से सख्ती से निपटा जा रहा है। अब तक 23 मामलों में 29 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, अज्ञात मामलों की संख्या 173 है।

उन्होंने कहा, मैन पावर की कमी न हो इसके लिए इस साल 1392 वन कर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि 3,983 फायर वाचर तैनात किए जाएंगे। वन मंत्री ने यह भी कहा, सरकार ने फॉरेस्ट फ्रेंडली पॉलिसी बनाई है। वन पंचायत भूमि पर कृषिकरण को मंजूरी दी गई है, जबकि ईको टूरिज्म के तहत लोगों को रोजगार दिया जा रहा है।

चीन में टॉरनैडो तूफान से तबाही, 141 फैक्ट्री क्षतिग्रस्त, 5 की मौत

बीजिंग। दक्षिणी चीन के गुआंगझोउ शहर में आए एक बवंडर में पांच लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हो गए। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि शनिवार दोपहर शहर के बैयुन जिले में बवंडर आया, जिससे 141 फैक्ट्री की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन कोई भी आवासीय घर नहीं गिरा। रिपोर्ट में कहा कि शहर के आपातकालीन प्रबंध न, मौसम, अग्निशमन, जलकार्य और स्वास्थ्य विभागों के बचाव दल और स्थानीय निवासियों को

क्षेत्र में भेजा गया, उन्होंने कहा कि वहां खोज और बचाव कार्य पूरा हो गया है। पिछले साल, चीन के जियांगसू में एक हिंसक बवंडर आया था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी, जब चीन के दक्षिण-पूर्व में मूसलाधार बारिश हुई थी, जिससे टाइफून हाइकुई के अवशेषों द्वारा लाए गए लगातार तूफानों के मद्देनजर बड़े पैमाने पर निकासी और भूस्खलन हुआ था।

मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को लोकसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर कन्नड में थे। यहां उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है। परमात्मा ने मोदी को आपकी सेवा के लिए ही पैदा किया है। पीएम मोदी ने कहा कि और आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। ये मेरी गारंटी है आपको, मेरा पल-पल आपके नाम, मेरा पल-पल आपके बच्चों के भविष्य के नाम, मेरा पल-पल आपके सपनों को साकार करने के नाम, मेरा पल-पल देश के नाम है।

पीएम ने कहा कि आज मैं आप सभी से विकसित कर्नाटक के लिए, विकसित भारत के लिए आप सबका,

पूरे कर्नाटक का आशीर्वाद मांगने आया हूं और इतनी बड़ी मात्रा में जब माताएं-बहनें हों, इतना उमंग-उत्साह हो, विजय का विश्वास हो, विकसित भारत का संकल्प हो तो मुझे पूरा भरोसा है कि आपके आशीर्वाद में कोई कमी नहीं रहेगी। पीएम ने कहा कि आपके आशीर्वाद ने ही 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत वाली भाजपा-एनडीए की मजबूत सरकार देश में बनाई। हमने देश के विकास के साथ ही स्थानीय अभिव्यक्तियों को पूरा करने के लिए भी पूरी ईमानदारी से काम किया। यहां उत्तर कन्नड़ा में घर, बिजली और पानी जैसी योजनाओं पर एनडीए सरकार ने बहुत काम किया है। भाजपा सरकार शविकास भी, विरासत भीश इस मंत्र को लेकर चलती है। पीएम ने कहा कि मेरे और आपके पूर्वजों ने अयोध्या में प्रभु राम के लिए 500 साल तक लड़ाई लड़ी। ये छोटा काल नहीं है। लाखों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। देश आजाद होने के दूसरे ही दिन प्रभु श्री राम का मंदिर बनाने का निर्णय होना चाहिए था। लेकिन उन्होंने नहीं किया। ऐसा काम करने के लिए छप्पन इंच का सीना लगता है। तब जाकर 500 साल का सपना, 500 साल का इंतजार समाप्त होता है। लेकिन ये तब होता है जब आपके वोट की ताकत मिलती है।

जड़ों की ओर वापसी

अलकनंदा सिंह

प्लास्टिक से निर्मित डेकोरेटिव पौधे चाहे कितने ही सुंदर क्यों न हों, उनको देखकर न तो मन शांत होता है और न ही प्रफुल्लित, जबकि वास्तविक पौधों की देखभाल में अनेक झंझट रहते हुए भी सुकून उन्हीं से मिलता है।

यही बात देवभाषा संस्कृत के बारे में है, जहां हमारे हीनभाव ने अंग्रेजी जैसी डेकोरेटिव भाषा को तो घरों में सजा लिया और वास्तविक आनंद देने वाली 'संस्कृत' को पिछड़ी भाषा ठहरा दिया। नतीज़ा यह हुआ कि जिन आविष्कारों को दुनिया मानती है, हम उन्हीं पर नहीं इतरा सके। आयातित सोच से चलता समाज, अपनी भाषा और अपनी मूल सोच को ही नहीं बल्कि वह अपने भविष्य को भी वहीं धरती में गाड़ देता है जहां से उसकी जड़ें निकली हैं। नासा के बहाने अब इन जड़ों को और ताकतवर बनाने का मौका हमारे पास पुन: आया है, निश्चित ही यह उसी स्वर्णिम युग का न्योता है, जिस युग की स्थापना आर्यभट्ट, वराह मिहिर, भास्कर, चरक और सुश्रुत जैसे वैज्ञानिकों और गणितज्ञों ने की। इनका महत्वपूर्ण कार्य संस्कृत में ही हुआ। हमारे वेदों, पुराणों, शास्त्रों का एक-एक श्लोक पूर्णत: एल्गोरिदम पर आधारित है। नासा के वैज्ञानिक रिक ब्रिग्स ने 'संस्कृत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर जो काम किया है, वह अद्भुत है। विश्वस्तरीय कम्प्यूटर वैज्ञानिक यह साबित कर चुके हैं और इसी पर आगे भी लगातार काम कर रहे हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीनी भाषा और कम्प्यूटर एल्गोरिदम के लिए 'संस्कृत' ही सबसे उपयुक्त भाषा है। 'पोंगा पंडितों' की भाषा कहकर जिस संस्कृत का मजाक बनाया गया, आज वही संस्कृत अध्यात्म, दर्शन, भक्ति, कर्मकांड या साहित्य तक ही सीमित नहीं रही बल्कि अब यह ज्ञान और विज्ञान के लिए महत्वपूर्ण बन गई है। यहां तक कि भारतीय गणित तो एल्गोरिदम से भरा पड़ा है। इनके सिद्धान्त तथा उनकी उत्पत्तियां भी अनेक टीका ग्रन्थों में उपस्थित हैं। आर्यभट्ट के अनुसार किसी संख्या के वर्ग, घन, वर्गमूल तथा घनमूल निकालने की कई-कई एल्गोरिदम (कलनविधियां) हैं। बात ये है कि हमें गुलाम बनाने से पहले जिस मैकाले ने हमारी भाषा, हमारे पौराणिक, वैदिक ज्ञान को तिरस्कृत किया, आज वही ज्ञान हमें वापस अपने चरम की ओर ले जाने आया है। देखना यह है कि हम इस अवसर का लाभ कितना और कैसे उठा पाते हैं। हमें वास्तविक पौधा चाहिए ज्ञान का, डेकोरेटिव ज्ञान का खमियाजा तो अब तक काफी भुगत चुके, अपनी पीढ़ियां तबाह कर लीं, अपनी संस्कृतियों और ज्ञान को भुलाकर, समय है अपनी जड़ों की ओर वापसी का।

ममता की छांव में रिश्तों के रंग

शमीम शर्मा

अपने छोटे से बच्चे की शरारत से तंग आकर थप्पड़ दिखाते हुए जब मां ने पूछा कि दिख रहा है ना कि ये क्या है तो बच्चा बाल सुलभता से बोला-ओह मम्मी! आपको इतना भी नहीं पता कि यह हाथ है। मां बोली-यह हाथ नहीं थप्पड़ है, अगर एक लग गया ना तो एक पल में सीधा हो जायेगा और होश ठिकाने आ जायेंगे। बच्चा बोला-मां! इस हाथ से तो आप मुझे थपकी दे-देकर सुलाती हो तो थप्पड़ कैसे मारोगी? जवाब सुनते ही मां की अंगुलियां बच्चे के बालों में घूमने लगीं और मां के होंठों ने उसके मस्तक पर चुम्बन की टीका लगा दिया। दरअसल महिलायें बहुत जल्दी समर्पण कर देती हैं। बच्चा हो या पति, वे उनके सामने नतमस्तक हो जाती हैं। इसी समर्पण भाव के कारण उसने स्वीकार लिया कि पति परमेश्वर होता है और बच्चे में वह अपनी पूरी दुनिया की झलक देख लेती है। उसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि ब्राजील में राष्ट्रपति को अपदस्थ करने की मुहिम चल रही है या अमेरिका में ट्रंप की भावी योजनायें क्या हैं। न ही वह चांद पर जाने की खोज करने में ऊर्जा गंवाती है और न ही वह रोबोट तैयार करती जो घर-बाहर के कामों का दायित्व संभाल ले। न ही उसे महात्मा बुद्ध की तरह घर छोड़कर संन्यासी होने की सूझती है और न ही कृष्ण की भांति वह युद्ध की महिमा का गान कर सकती है। आक्रामक ड्रोन, मिसाइल और बम का तो उसे ख्याल भी नहीं आता। स्त्री स्वभाव से ही पर्दे को पसन्द करती है। उसके दिमाग में यह भाव तक नहीं आता कि वह किसी शिल्पकार की तरह नग्न मर्दों की मूर्तियां उकेरे या नामी चित्रकार की तरह पुरुषों के नग्न रूप को रंग दे। उसकी दृष्टि में पर्दा सिर्फ वह नहीं है जो वक्ष ढकने अथवा घूंघट निकालने के काम आता है। वह अपनी संतान से लेकर पति तक के अवगुणों पर पर्दा डालने में जुटी रहती है।

करोड़ों रुपये की ड्रग्स के साथ कोबरा गैंग के... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

पार्टियों में ड्रग्स सप्लाई का काम रजत भाटिया करता है, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रो तथा पार्टियों मे एलएसडी के साथ अन्य मादक पदार्थों की भी मांग होने के कारण आरोपी अपने पास हीरोइन व अन्य हाईप्रोफाइल ड्रग्स भी रखते है। आरोपियों से पूछताछ में उनके द्वारा कुछ बड़े एलएसडी डीलर के संबंध में जानकारी दी गई है जिनको चिन्हित कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पकडी गयी ड्रग्स की कीमत दो करोड पांच लाख रूपये आंकी गयी है। पुलिस ने तीनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

य इन्दो: पवमानस्यानु धामान्यक्रमीत्।
तमाहु: सुप्रजा इति यस्ते सोमाविधन्मन इन्द्रायेन्दो परि स्रव।।
(ऋग्वेद ९-११४-१)

ऐसा मनुष्य जो ज्ञान, कर्म, और उपासना के पथ पर चलता है और सनातन नियमों का पालन करता है। हे सोम ! ऐसे मनुष्य को दिव्य आनंद की प्राप्ति करा।

अविरलता से ही सदानीरा रहेंगी नदियां

ज्ञानेन्द्र रावत

नदियों की अविरलता का सवाल वर्तमान परिदृश्य में अति महत्वपूर्ण है। यह कटु सत्य है कि नदियों की हमारे देश में मां की तरह पूजा की जाती है। उन्हें पुण्यसलिला की संज्ञा से विभूषित किया गया है। समूची दुनिया में जितनी हमारे देश में नदियों रूपी संपदा है, ऐसी मिसाल दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलती। लेकिन आज उसी भारत में जीवन रेखा कही जाने वाली सदानीरा नदियां मर रही हैं। आज हालत यह है कि हमारे देश की 445 नदियों में प्रदूषण का स्तर मानक से कहीं बहुत ज्यादा है। उनमें विषैले तत्व इस कदर मौजूद हैं कि उनका पानी पीने की बात तो दीगर है, आचमन लायक तक नहीं है। उनमें निर्धारित मानक से भी कई गुणा ज्यादा भारी धातुओं की मात्रा मौजूद है।

यदि सिलसिलेवार जायजा लें तो पता चलता है कि देश की तकरीबन 137 नदियों में आयरन, 69 में लैड, 50 में कैडमियम और निकल, 21 में क्रोमियम और 10 में कॉपर अधिकतम मात्रा में पाया गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि इसके चलते लोग लीवर सिरोसिस, डायबिटीज, हृदय रोग, गुर्दा रोग, अनीमिया, फेफडे, सांस, पेट के रोग, जोड़ों में दर्द, सीने में खिंचाव, बेहोशी, मांसपेशियों में दर्द, खांसी, थकान, उच्च रक्तचाप, कैंसर, अल्सर, हड्डियों की बीमारी व डायरिया के शिकार होकर अनचाहे मौत के मुंह में जाने को विवश हैं। पर्यावरण विज्ञान केन्द्र भी इसकी पुष्टि कर चुका है।

सबसे बुरी हालत तो गंगा, जिसे मोक्षदायिनी कहते हैं और ब्रह्मपुत्र की है, जिसका पानी सबसे ज्यादा प्रदूषित है। गौरतलब है कि देश में राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में आज से तकरीबन पैंतीस साल पहले गंगा के शुद्धीकरण की शुरुआत हुई थी। तकरीबन बारह साल पहले यमुना को टेम्स बनाने का वायदा किया गया था। 2014 में मोदी सरकार आने के बाद नमामि गंगे मिशन की शुरुआत हुई। उसके बाद उमा भारती ने तवी नदी के उद्धार का वायदा किया। लेकिन दुख है कि न गंगा साफ हुई, न यमुना और न तवी। ऐसे हालात में देश की अन्य नदियों की शुद्धि की आशा कैसे की जा सकती है।

इसमें दो राय नहीं कि युग परिवर्तन के साथ-साथ नदियों के प्रति हमारी सोच में भी बदलाव आया है। नदियों की बदहाली उसी सोच का नतीजा है। हालात की विकरालता का अंदाजा इससे लग जाता है कि मौजूदा दौर में देश की अधिकांश नदियां प्रदूषित हैं। कुछ सूख गई हैं, कुछ जो बारह महीने बहती थीं, अब मौसमी होकर रह गई हैं। बीते 50-60 सालों से देश की नदियों के प्रवाह में कमी और पहाड़ों, कुंडों और झरनों से निकलने वाली अनेक छोटी नदियां अब मौसमी बनकर रह गयी हैं। हमारा दायित्व है कि जिन नदियों ने लाखों सालों से हमें गले लगा रखा है, जो जीवनदायिनी कही जाती हैं, उन्हें मरने ना दें। दुख है कि आज वे सदानीरा नहीं रह गई हैं। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम उन्हें बचायें। यदि ये नहीं रहीं, तो यह भी निश्चित है कि हम भी नहीं बचेंगे।

दरअसल देश में नदियों की शुद्धि और रक्षा की बाबत सभा-सम्मेलन, विचार गोष्ठियां और साधु-संतों द्वारा सिंहनाद करते घूमना अब आम हो गया है। नदियों की रक्षा हेतु आंदोलन भी नयी बात नहीं है। कभी गंगा बचाओ, कभी यमुना बचाओ, कभी नर्मदा बचाओ आदि यात्राओं का सिलसिला चलता रहता है। गंगा रक्षा हेतु युवा संन्यासी स्वामी निगमानंद सरस्वती का आमरण अनशन और बलिदान, स्वामी शिवानंद सरस्वती के गंगा में खनन माफिया के विरुद्ध संघर्ष और अनशन और गंगा पुत्र के नाम से विख्यात प्रोफेसर जीडी अग्रवाल उर्फ स्वामी सानंदजी के गंगा की अविरलता हेतु किए गए आमरण अनशन और बलिदान को लोग अभी भूले नहीं हैं। नदियों को बचाने का दावा करने वाले श्रीश्री रविशंकर दिल्ली में यमुना के प्रवाह क्षेत्र में भव्य आयोजन कर यमुना के प्रवाह क्षेत्र की तबाही के कारण भी बन चुके हैं। जग्गी वासुदेव भी नदियों को बचाने का दावा करते हैं। हां, राजेन्द्र सिंह इसके अपवाद जरूर हैं, जिन्होंने मरु प्रदेश की सात नदियों को परंपरागत तरीकों से पुनर्जीवित करने का काम किया है। लेकिन मौजूदा हालात इसके सबूत हैं कि अभी तक नदियों की रक्षा की दिशा में किए गए सारे प्रयास नाकाम साबित हुए हैं।

वर्तमान में नदी के प्रवाह का सवाल सबसे अहम है। प्रवाह की अविरलता का अर्थ है, नदी में सालभर कभी भी न खत्म होने वाला और लगातार बहने वाला न्यूनतम प्रवाह। वह प्रवाह जो नदी तल के ऊपर बहता हुआ साफ तौर पर दिखाई देता है।

वह पर्याप्त मात्रा में तभी संभव हो पाता है जब नदियों को प्रवाह उपलब्ध कराने वाली प्रक्रियाओं को छेड़छाड़ के बिना बराबर सहयोग मिलता रहता है। वर्तमान में भूजल के अत्यधिक दोहन और वन भूमि के कम होते जाने के कारण नदियों के प्रवाह में कमी बेहद चिंतनीय है। यहां अहम सवाल यह है कि किसी के भी प्रयास से हो, नदियां प्रदूषण मुक्त होनी चाहिए। वे अविरल बहनी चाहिए। यह जितनी जल्दी हो, उतना ही समाज और देश के भविष्य के लिए अच्छा है।

सेवा से मिलती है अच्छाइयों की अमीरी

अमिताभ स.

'मैंने स्वप्न में देखा कि जीवन आनंद है, मैं जागा और पाया कि जीवन सेवा है, मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में ही आनंद है।'-यह कहना है नोबेल विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का। महामारी के दौर और आम दिनों में भी, सिख बिरादरी का सेवा भाव इनसानियत की मिसाल बन कर उभरा है। सेवा और लंगर ऐसी परम्परा है, जहां न जात पूछी जाती है, न धर्म। सिख समुदाय ने जाहिर कर दिया है कि मदद करने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती, उसके लिए एक नेक मन का होना अधिक आवश्यक है।

असल में, लंगर फारसी का शब्द है, शाब्दिक अर्थ है दान-धर्म का स्थल अथवा निर्धन-ज़रूरतमंदों के लिए आश्रय का बसेरा। विस्तृत अर्थ में यह एक सार्वजनिक रसोई घर है, जहां लोग ज़मीन पर बैठ कर भोजन या लंगर छक सकते हैं। लंगर में सदा शाकाहारी, सात्विक, साफ-सुथरा और सुच्चा भोजन परोसने की परम्परा है। मौजूदा ज़रूरतमंदों के मुताबिक दवाइयों और ऑक्सीजन तक के लंगर लगने लगे हैं।

लंगर के मूलमंत्र 'दिल से सेवा' पर गुरु नानक देव का एक प्रसंग है-'एक बार एक व्यक्ति ने गुरु नानक देव से पूछा, 'मैं इतना गरीब हूं कि किसी की क्या सहायता कर सकता हूं।' गुरु नानक देव सहज भाव से बोले, 'तुम गरीब हो,क्योंकि तुमने देना नहीं सीखा।' उस व्यक्ति ने जानना चाहा, 'लेकिन मेरे पास देने के लिए कुछ है कहां?' गुरु नानक देव ने समझाया, 'तुम्हारा चेहरा मुस्कान दे सकता है। तुम्हारा मुंह किसी की प्रशंसा कर सकता है। दूसरों में सुकून का अहसास जगाने के लिए मीठे वचन बोल सकता है। तुम्हारे हाथ किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकते हैं। और तुम कहते हो कि तुम्हारे पास देने के लिए कुछ नहीं है।' सच है कि आत्मा की गरीबी ही वास्तविक गरीबी है। पाने का हक उसे ही है, जो देना जानता है। जगज़ाहिर है कि समाज में लंगर परम्परा गुरु नानक देव जी की ही देन है। उन्होंने ही करीब पांच सौ साल पहले करतारपुर साहिब (अब पाकिस्तान) से गुरु के लंगर सेवा का श्रीगणेश किया था।

कई गृहिणियां अपनी घर-गृहस्थी के कामकाज निपटा कर, गुरुद्वारों में दिन-प्रतिदिन जूता सेवा, पोछा सेवा, चपाती सेवा आदि तक करती हैं। ऐसे मजबूत संकल्प के छोटे-छोटे कदम समूचे परिवार को भलाई और नेकी की तरफ ले जाते हैं। परिवार के बच्चे अपने माता- पिता को सेवा करते देखते हैं, तो उनका भी सेवा समर्पण के प्रति झुकाव होना स्वाभाविक है। कहते भी हैं कि हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई बनने से पहले आओ हम इनसान बन जाएं क्योंकि मानव की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। इसीलिए 'मानव धर्म सर्वोपरि' के पाठ को जीवन में उतारें। मानव की आत्मा ही परमात्मा है और मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति होती है, सुकून मिलता है। सेवा के बीज बचपन से ही बोने होंगे। मनोविज्ञान भी साबित करता है कि अगर खुशी, समृद्धि और संतोष जैसे गुणों को जीवन में लाना है, तो सेवा को अपने जीवन में जोड़ना लाज़मी है। किसी सयाने ने लिखा है, 'हर इनसान के पास चुटकी भर ताकत होती है, चुटकी भर उम्मीद, चुटकी भर मुहब्बत। तीनों बीजों की तरह हैं, जो हर इनसान के भीतर रोपे गए हैं। अगर इन्हें अपने ही भीतर बंद कर लें और दूसरे को न दें, तो सभी बीज सड़ जाते हैं और जल्दी मर जाएंगे। फिर उसके पास कुछ नहीं बचता, और जीवन जीने लायक नहीं रह जाता। अगर वह ताकत, उम्मीद और मुहब्बत दूसरों को बांटता है, तो उसके पास इनका ऐसा खजाना भर जाता है, जो कभी चुकता नहीं।' जो इनसान मानव सेवा में लीन रहता है, वह सदा बुराइयों से दूर रहता है। अच्छाइयों का असली खजाना या अमीरी दूसरों की सेवा में ही हासिल होती है।

बारिश के कारण होने वाली स्किन एलर्जी से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बारिश जितना मन को लुभाता है, उतना ही यह त्वचा के लिए परेशानियों का कारण बनता है। यह मौसम स्किन एलर्जी की समस्या का कारण बन सकता है और इस दौरान त्वचा पर खुजली, रैशेज, लालीपन और सूजन होने लगती है। आइए आज आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिनकी मदद से बारिश के कारण होने वाली स्किन एलर्जी से राहत पाई जा सकती है।

एलोवेरा आएगा काम

एलोवेरा में एंटी-वायरल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक (दर्दनिवारक) गुण मौजूद होते हैं। ये सभी गुण बारिश के कारण होने वाली स्किन एलर्जी से राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं। राहत के लिए सबसे पहले एलोवेरा की पत्ती को धोकर काट लें और एक चम्मच की मदद से इसका जेल निकाल लें।

नारियल के तेल का करें इस्तेमाल

नारियल के तेल का इस्तेमाल करके भी आप बारिश के कारण हुई स्किन एलर्जी से तुरंत राहत पा सकते हैं क्योंकि यह एक हीलिंग एजेंट के रूप में काम करता है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो स्किन एलर्जी को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए नारियल के तेल से प्रभावित जगह की कुछ देर तक हल्के हाथों से मालिश करें।

नीम की पत्तियों का पेस्ट लगाएं

बारिश के कारण होने वाली स्किन एलर्जी से राहत दिलाने में नीम की पत्तियां भी काम आ सकती हैं। समस्या से राहत पाने के लिए पहले नीम की कुछ पत्तियों को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें और फिर सुबह इन्हें पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद तैयार पेस्ट को स्किन एलर्जी वाली जगह पर लगाएं। 1-15 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो लें। नीम के पेस्ट के रोजाना इस्तेमाल से त्वचा को काफी फायदा मिलेगा।

सेब का सिरका है प्रभावी

सेब के सिरके में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। ये गुण बारिश के कारण होने वाली स्किन एलर्जी से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आपको जब भी बारिश के कारण स्किन एलर्जी हो तो एक गिलास गुनगुने पानी में दो चम्मच सेब का सिरका और स्वादानुसार शहद मिलाकर इसका सेवन करें। इस घोल का सेवन नियमित रूप से दिन में एक से दो बार किया जा सकता है।

बेहतरी के लिए किताबें

महेश यादव

किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। किताबों का मनुष्य से पुराना नाता है। पुराने समय से ही मानव किताबों को पढ़ता और लिखता रहा है। किताबों के जरिए ही हमें इतिहास की जानकारी मिली है। आज हम तरह-तरह की तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं, इनका विकास भी किताबों को पढ़ने से ही हुआ है। आपने देखा होगा कि दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उनकी सफलता किताबों से होकर ही गुजरी है।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के कारण हम किताबों से दूर होते जा रहे हैं। आज हमें कुछ भी जानना या सीखना होता है तो हम गूगल और यूट्यूब का सहारा लेते हैं। अगर इनका सही तरीके से उपयोग किया जाए तो यह गलत भी नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में काफी ध्यान भटकाने वाली चीज़ें होती हैं। जो ज्ञान हमें किताबों से मिल सकता है, वह अमूल्य होता है।

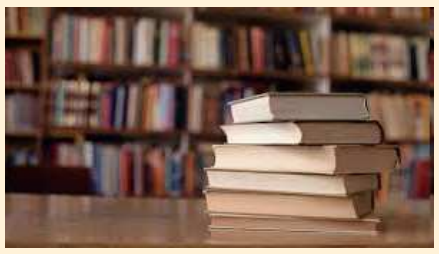

किताबों के माध्यम से हम बहुत-सी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जैसे- दुनिया में क्या चल रहा है यानी करेंट अफेयर्स, नयी तकनीक, बिजनेस आइडिया, व्यक्तित्व निर्माण आदि चीज़ें हम किताब पढ़ कर सीख सकते हैं। किताब पढ़ने के कुछ तरीके हैं या यूं कहें पढ़ने की तैयारी आप इस तरह से कर सकते हैं, जैसे कि पहले बाहर जाकर टहलना, पढ़ने की डेस्क को ठीक करना। पढ़ाई में दिलचस्पी लेना। पढ़ने के बाद अपने आप को गिफ्ट देना। यानी किताब विशेष से आपको जो प्राप्त हुआ, उसका मंथन कर प्रसन्न होना। किताब पढ़ने के अनेक फायदे हैं, जैसे-किताब पढ़ने से दिमाग तेज होता है। किताब पढ़ने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। सही शब्दावली का विकास होता है। किताब पढ़ने से एकाग्रता बढ़ती है। किताब अकेलेपन को दूर करती है। यानी किताबें मनुष्य की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। पहले जमाने में लोग अपने बुजुर्गों के पास बैठा करते थे और वो उन्हें पुरानी बातें, कहानियां और अपने तजुर्बे बताया करते थे।

एक तरह से वो हमारी किताब हुआ करते थे। लेकिन आज के दौर में ना किताबों का महत्व रहा और ना ही बुजुर्गों की इतनी अहमियत रही। सही मायनो में एक दोस्त की तरह किताबें हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। क्यों ना हम फिर से किताबों से दोस्ती कर लें, इनके साथ समय बिताने पर हमें अफसोस नहीं बल्कि खुशी होती है। बिल्कुल एक सच्चे दोस्त की तरह ये हमें खराब परिस्थिति में भी आगे बढ़ने का साहस देती हैं। ये हमारे व्यक्तित्व को निखारती हैं और हमें एक बेहतर इनसान बनने में मदद करती हैं।

सरकार! भ्रष्ट और निकम्मे अधिकारियों पर मेहरबानी क्यों: मोर्चा

कार्यालय संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा बैठक आयोजित कर जनहित से जुड़ी समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि आलम यह है कि प्रदेश में आम जन की सुनने वाला कोई नहीं है। यहां तक कि सरकार/ मंत्रियों के आदेशों का भी अधिकारियों कर्मचारियों पर कोई असर नहीं हो रहा। यही हाल उच्चाधिकारियों एवं मातहत कर्मचारियों के मामले में है।

उन्होंने कहा बड़े दुर्भाग्य की बात है बगैर सुविधा शुल्क चुकाए एक इंच भी पत्रावली नहीं बढ़ती। अगर जजिया कर नहीं चुकाया तो पत्रावली या तो गुम हो जाती है या उस पर इतनी आपत्तियां लगाई जाती हैं कि वो जीवन भर भी दुरुस्त नहीं हो पाती। इसके विपरीत जिन पत्रावलियों में सुविधा शुल्क चढ़ा दिया जाता है , वो नियम विरुद्ध कार्य भी

सेटिंग- गेटिंग के चलते नियम विरुद्ध काम हो रहे धड़ल्ले से

आसानी से संपन्न हो जाते हैंद्य अपने छोटे- बड़े कार्यो को कराने में लोगों की एड़ियां घिस जाती हैं। मोर्चा शीघ्र ही सरकार से इस अव्यवस्था एवं इस घिनौना खेल को समाप्त करने को सरकार को घेरेगा। बैठक में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, अशोक चंडोक, समाजसेवी फतेह आलिम, संजय गुप्ता, मोहम्मद नसीम,अमित जैन ,रहबर अली, मदन, कुंवर सिंह नेगी, समून, गफूर, मुकेश पसबोला, चौधरी मामराज, फकीरचंद पाठक, जयपाल सिंह, अशोक गर्ग, संतोष शर्मा, अंकुर चौरसिया, अख्तर आदि मौजूद थे।

दून में प्रदूषण व बढ़ते तापमान के लिए पर्यावरण प्रेमियों ने सरकारी नीतियो को ठहराया जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दून मे बढते कंक्रीट के जंगलो,हाईराईज बिल्डिंग निर्माण ,विकास के नाम पर अन्धाधुन्ध पेडो के कटान,बढते प्रदूषण तथा तापमान के लिए पर्यावरण प्रेमियो ने सरकारी नीतियो को ठहराया जिम्मेदार।इन्होने राज्य मे कोई ठोस पर्यावरण संरक्षण नीति न होने के लिए जनप्रतिनिधियो की बेरूखी पर क्षोभ भी व्यक्त किया। दून लाईब्रेरी मे सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून" द्वारा 'ग्रीन दून के सतत विकास के लिए शहरी वृक्ष प्रबंधन"विषय पर आयोजित संवाद मे शहरी हरियाली को बढ़ावा देने की चुनौतियों के साथ-साथ शहरी हीट आइलैंड प्रभाव और घटते भूजल स्तर के मुद्दों पर भी चिन्ता व्यक्त की गयी।कार्यक्रम मे रिस्पना बिंदाल नदियो के किनारे एमडीडीए द्वारा विकसित की गयी जमीन पर वृक्षारोपण कराने,सडको पर लगते जाम से पैदा प्रदूषण पर रोक लगाने,बार बार सडको की खुदाई की आदत से बाज आने,सहस्रधारारोड,हरिद्वार बाईपास,रायपुर रोड पर वृक्षारोपण कराने की मांग भी सरकार से की गयी।संवाद मे पैनल के रूप मे जयराज,एनपी सिंह, प्रवीण कुश,कहकशां नसीम,नीरज शर्मा,रूची सिंह राव सहित डॉ.रवि चोपड़ा,अनूप नौटियाल,डॉ.नितिन पांडे,रीनू पॉल,जया सिंह, हिमांशु अरोड़ा,अनीश लाल,संयुक्तनागरिकसंगठन के ब्रिगेडियर केजीबहल,जीएस जस्सल,आशीष गर्ग,जगमोहन मैंदिरतता,अवधेश शर्मा,विनोद नौटियाल,सुशील त्यागी,चौ. ओमवीर सिंह,दीपचंद शर्मा,रमा गोयल,जगदीश बावला,दीपचंद शर्मा,यज्ञभूषण शर्मा,आर एस धुनता,बिशमभरनाथ बजाज,प्रकाश नागिया,मनोज ध्यानी,खुशवीर सिंह,जसबीर सिंह रिनोत्रा,परमजीत सिंह कककण आदि भी शामिल हुए। संचालन ईरा चौहान ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा तस्कर साथी सहित गिरफ्तार, भारी मात्रा में चरस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एएनटीएफ फोर्स द्वारा एक अंर्तराष्ट्रीय नशा तस्कर को उसके साथी सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से 3 किलो 400 ग्राम चरस बरामद की गयी है। हालांकि इस दौरान नशा तस्करों के दो साथी फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी हैं। गिरफ्तार आरोपी पड़ोसी मुल्क नेपाल से चरस लाकर उसे उत्तराखण्ड में सप्लाई किया करते थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते रोज एक सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना रायपुर पुलिस के साथ मिलकर सयुंक्त कार्यवाही करते हुए थाना रायपुर क्षेत्रांतर्गत, तपोवन रोड के पास से एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर धर्मराज धामी पुत्र हरी लाल निवासी नेपाल तथा उसके साथी आयुष रावत पुत्र त्रिलोक सिंह रावत निवासी ग्राम नेगर थाना देवप्रयाग जनपद टिहरी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 3 किलो 400 ग्राम चरस बरामद की गयी है। हालांकि इस दौरान मौके पर मची अफरा-तफरी का फायदा उठाते हुए दो चरस् तस्कर नीरज कठैत व सौरभ चौहान भागने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है।

बताया कि गिरफ्तार आरोपी पिछले कई सालों से उत्तराखंड में चरस की सप्लाई कर रहे थे, जिन्होने पूछताछ में बताया कि वह नेपाल से चरस लाकर उसे उत्तराखण्ड में सप्लाई किया करते थे। बहरहाल गिरफ्तारआरोपियों के खिलाफ एसटीएफ द्वरा थाना रायपुर में मुकदमा दर्ज करा कर उन्हे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

गलत डाइट लेने का आरोप

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर प्र्वतन निदेशालय ने गलत डाइट लेने का आरोप लगाया है। अदालत में ईडी ने कहा कि वह तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं ताकि उनका शुगर लेवल बढ़ जाए तथा उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिल जाए। केजरीवाल को टाइप-2 डायबिटीज है। वह सुबह-शाम आलू पूड़ी, मिठाई और आम खा रहे हैं। चीनी वाली चाय भी पी रहे हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी उनका घर का खाना बंद करना चाहती है। केजरीवाल रोज 56 यूनिट इंसुलिन लेते हैं। उनका ब्लड-शुगर लेवल ऊपर-नीचे होता रहता है।

उन्हें लगातार कब्ज रहता है तथा क्रोनिक ब्रोंकाइटिस (खांसी) बनी रहती है। जेल डिस्पेंसरी की तरफ से नियमित जांच होने के बावजूद वह ब्लड शुगर के लिए निर्धारित डाइट नहीं ले रहे हैं। उधर अदालत में याचिका दायर कर केजरीवाल की जेल में सुरक्षा को खतरे में बताया गया है। आप नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन भी लंबे समय से जेल में बंद हैं। केंद्र सरकार पर आरोप है कि यह जानबूझकर किया जा रहा है।

वह आप सरकार के काम-काज के तरीकों और उसकी प्रसिद्धि से घबरा कर ऐन लोक सभा चुनाव के पहले यह कदम उठाया गया। आप नेता संजय सिंह ने इस कृत्य को तानाशाही कहा, जबकि केजरीवाल ने जेल से भेजे संदेश में कहा कि मैं आतंकवादी नहीं हूं। हालांकि केजरीवाल को खुद को नुकसान पहुंचाने जैसा कदम उठाने से बचना चाहिए। निश्चित रूप से इससे दुनिया भर में उचित संदेश नहीं जा रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है।

यह तय है कि यदि केजरीवाल या उनके दल के अन्य नेताओं पर आरोप साबित होते हैं तो उन पर कानून शिंकजा कसेगा। भ्रष्टाचार को लेकर अपने यहां सिर्फ बातें ही बनाई जाती हैं। राजनीतिज्ञों के भ्रष्टाचारमुक्त होने पर जनता में संशय ही है। मोदी सरकार भी ऐसा कोई उदाहरण तय करने में सफल नहीं है, जिससे प्रतीत हो कि अपने नेताओं के भ्रष्टाचार को लेकर भी वह कड़े कदम उठा रही है। घातक संक्रमण की तरह फैलते भ्रष्टाचार से जूझना बड़ी चुनौती है, बदले की भावना से ऊपर उठ कर इससे मुक्त होने के सामूहिक प्रयास करने होंगे। (आरएनएस)

न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान

अब की बार पूर्व न्यायाधीशों ने 'न्यायपालिका को अनावश्यक दबाव से बचाने के लिए' देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा है। सुप्रीम कोर्ट के चार और हाई कोर्ट के 17 पूर्व न्यायाधीशों ने किसी का नामोल्लेख किए बिना आरोप लगाया है कि कुछ लोग यानी वकील 'अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों एवं व्यक्तिगत लाभों से प्रेरित होकर न्यायिक संस्था को कमजोर करने में लगे हैं'।

जस्टिस चंद्रचूड़ से ऐसे तत्वों के झांसे में न आकर न्यायिक गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया गया है।

इसी तरह की भाषा-शैली में आज से तीन हफ्ते पहले सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों के 600 अधिवक्ताओं, जिनमें हरीश साल्वे जैसे दिग्गज शामिल थे, ने जस्टिस चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखा था। इसमें भी न्यायपालिका के सामने आ रही वैसी ही कठिनाइयों का जिक्र किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जड़ कांग्रेस की 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका बनाने की मानसिकता' में बताया था तो उजागर हुआ था कि पत्र का ताल्लुक कांग्रेसी विचारधारा के अधिवक्ताओं से है, जो पीठ या न्यायाधीशों पर मनमाफिक फैसले के लिए 'अनुचित दबाव और प्रभाव' डालते हैं।

पत्र पर दस्तखत करने वाले जस्टिस ढींगरा ने एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल का नाम लेते हुए कहा है कि वे मामले में 'पैरवी के दौरान केस की मेरिट पर दलीलें न देकर कहने लगते हैं कि अगर इसे छोड़ा नहीं गया तो बवाल हो जाएगा' आदि।

इसी समूह में प्रशांत भूषण और अभिषेक मनु सिंघवी के भी नाम हैं। और भी नाम हो सकते हैं। ये लोग पहले इजलास के अंदर और इसके बाहर इंटरव्यू एवं लेखों के जरिए उन फैसले को सरकार के दबाव में दिया बता कर उनकी अतार्किक आलोचनाएं करते हैं, जो उनके विरोध में आए होते हैं।

इससे न्यायपालिका पर खामख्वाह दबाव बनता है। एक बार जस्टिस चेलमेर ने भी 'इन करोड़ी समूह के अधिवक्ताओं से दिक्कत' बताई थी।

न्यायिक क्षेत्र-निचली से लेकर सर्वोच्च अदालत तक-में हाल के दशकों में यह एक फेनोमिना के रूप में विकसित हुआ है। इसमें मनचाही खंडपीठ के लिए तो पीठ बदलने के लिए जोर-जबर्दस्ती की जाती है। इस समस्या का समूचा हिस्सा न्यायालीय ही नहीं है।

राजनीतिक विचारधारा और सबसे अधिक उसकी सत्ता भी है। दबावकारी प्रवृत्ति बढ़ी है तो इसकी वजह कुछेक न्यायाधीशों में सत्ता के नजदीक जाने की कमजोरी भी है। यह दबाव से काम करा ले जाने का साहस पैदा करता है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सुबह का नाश्ता छोड़ना सेहत के लिए खतरनाक

इंसान दिन में 2 से 3 बार खाता है लेकिन, इसमें सबसे जरूरी सुबह का नाश्ता होता है। रात को किए हुए भोजन की एनर्जी शरीर दूसरी क्रियाओं में खर्च कर देता है और हमारे शरीर को सुबह फिर से एनेर्जी की जरूरत पड़ती है। अगर आप सुबह का नाश्ता अक्सर छोड़ देते हैं तो ऐसा करना आपके लिए बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। इससे आपको कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। आईए इस लेख में जानते हैं नाश्ता छोड़ने के क्या नुक्सान हो सकते हैं।

माइग्रेन का बढ़ जाता है खतरा

सुबह का नाश्ता छोड़ने से आपका ब्लड शुगर लेवल काफी गिर जाता है क्योंकि रात को सोते समय से सुबह उठने तक 7 से 8 घंटे आपने कुछ नहीं खाया होता। ब्लड शुगर के गिर जाने के कारण आपके दिमाग कुछ ऐसे होर्मोंस का उत्सर्जन शुरू हो जाता है, इसकी वजह से आपको थकान, सिरदर्द और आलस होने जैसी समाया होती है।

हो सकती है टाइप-2 डायबिटीज

जो लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते या छोड़ देते हैं उनमें टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। इससे आपके ब्लड शुगर लेवल पर बुरा असर पड़ता है और इस कारण आपको टेंशन, तनाव और बेचैनी जैसी समस्या हो सकती है। अगर ब्लड शुगर का लेवल ज्यादा गिर जाए तो इससे आपका एनर्जी लेवल प्रभावित होता है, इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

इम्युनिटी पर पड़ता है बुरा असर

सुबह का नाश्ता छोड़ने या भूखा रहने से आपके शरीर के अंदर के सेल्स डैमेज होने लगते हैं। इससे शरीर का इम्युनिटी लेवल कम हो जाता है और इस कारण बैक्टीरिया, फंगस और बीमारियां आपको अपनी चपेट में आसानी से ले लेती हैं। अगर आप रोजाना ठीक तरीके से नाश्ता करते हैं तो इससे आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे आपका शरीर बीमारियों से बचा रहता है।

पूरा दिन होती है सुस्ती और थकान

लंच में आप भले ही अच्छी तरह खाना खा लें लेकिन, सुबह का नाश्ता छोड़ने पर आपको पूरा दिन थकान और आलस महसूस होगी। सुबह के समय आपका शरीर पोषक तत्वों को सही तरीके से अवशोषित करने के लिए तैयार होता है। ऐसे में अगर आप सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं तो आपको पूरे दिन आलस और थकान महसूस होती है।

लंबे समय तक टिकी रहेगी लिपस्टिक अपनाएं ये टिप्स

कौन नहीं चाहता है कि लिपस्टिक लगाने के बाद लंबे समय तक टिकी रहें. लेकिन खाने- पीने और अन्य कामों को करने की वजह से लिपस्टिक कुछ समय बाद हल्की या हटने लगती हैं. ऑफिस, डेट नाइट और दोस्तों के साथ ब्रंच पर स्मजप्रूफ लिपस्टिक आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करती हैं. खासकर गर्मी के मौसम में रूखे और फटे होना आमबात है. ऐसे में अगर आपकी लिपस्टिक भी लंबे समय तक नहीं टिकती हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसका इस्तेमाल कर आप परफेक्ट लुक पा सकती हैं, साथ ही लिपस्टिक भी लंबे समय तक टिकी रहेगी. आइए जानते हैं इन टिप्स के बारे में.

चेहरे के बाकी हिस्सों पर मेकअप की तरह होंठों की त्वचा भी मुलायम रहती है तो लिपस्टिक लंबे समय तक टिकती है. डेड स्किन और फटे होंठों को मुलायम रखने के लिए आप लिप स्क्रब को इस्तेमाल करें. इसके अलावा होंठों को नरम और मुलायाम रखने के लिए मॉश्चराइजिंग लिप बाम का इस्तेमाल कर सकती है. ये आपको होंठों में बेस की तरह काम करता है. जब आप लिपस्टिक लगाने वाले हों तो लिप बाम को टिश्यू से हटा दें.

लिप प्राइमर लिपस्टिक के रंग को उभारने का काम करता है और लंबे समय तक टिकने में मदद करता है. होंठों पर प्राइमर का उपयोग करने से वे हाइड्रेटेड रहते हैं और लिपस्टिक को पॉलिश लुक देता है. आप होंठों को मॉश्चराइज करने के लिए प्राइमर लगाएं और उंगली से हल्का सा कंसीलर लगाएं. होंठों पर कंसीलर की पतली लेयर लगाने से लिपस्टिक का असली रंग निखर कर आता और लंबे समय तक टिकने में भी मदद करता है.

लिपस्टिक लगाते समय लिप लाइनर का इस्तेमाल जरूर करें. इससे आपकी लिपस्टिक बाहर नहीं फैलेगी. आप लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर का इस्तेमाल करें. इसके लिए होंठों को सबसे पहले आउटलाइन करें और फिर उन्हें लिप पेंसिल से भरें. (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -150

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

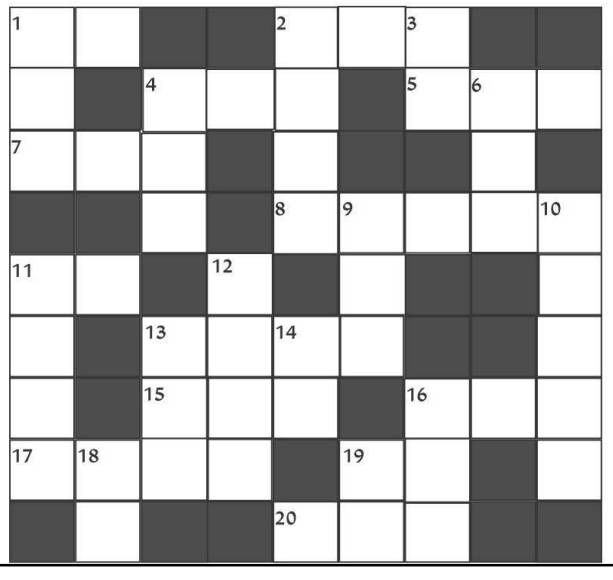

शब्द सामर्थ्य क्रमांक149का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

बॉक्स ऑफिस पर दो और दो प्यार ने एलएसडी 2 को चटाई धूल

रविवार का दिन बॉक्स ऑफिस के लिहाज से हमेशा खास रहता है। इस समय बड़े पर्दे पर लव सेक्स और धोखा 2, दो और दो प्यार, मैदान और बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लगी हुई हैं।विद्या बालन की फिल्म की कमाई में जहां उछाल देखने को मिला, एलएसडी 2 की हालत और खस्ता हो चुकी है।इसके साथ ही बाकी दो फिल्मों के भी रविवार के आंकड़ें भी सामने आ गए हैं।

दिबाकर बनर्जी की लव सेक्स और धोखा 2 (एलएसडी 2) सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हो रही है।साल 2010 की हिट फिल्म लव सेक्स और धोखा के इस सीक्वल के बॉक्स ऑफिस पर खराब शुरुआत के बाद फिल्म ने रविवार तक सिर्फ 35 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया है।रविवार की बात करें तो फिल्म के संग्रह में और गिरावट देखने को मिली है। फिल्म ने अपने तीसरे दिन महज 8 लाख रुपये का ही कारोबार किया है। विद्या और प्रतीक गांधी की फिल्म दो और दो प्यार की हालत में रविवार को सुधार देखने को मिला है।सैकनिल्क के मुताबिक, पहले दिन जहां फिल्म ने 55 लाख रुपये कमाए थे, वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 95 लाख रुपये की कमाई की थी।इसके साथ ही तीसरे दिन यानी रविवार को इसने 1.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद भारत में इसका कुल कारोबार 2 करोड़ 65 लाख रुपये हो गया है। अजय देवगन की मैदान बॉक्स ऑफिस पर घुटने टेकने लगी है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह होने के बाद यह कुछ कमाल नहीं दिखा सकी। उल्टा फिल्म का कारोबार दिन-ब-दिन और गिरता जा रहा है।11वें दिन भी फिल्म कमाई के लिए संघर्ष करती दिखी। 11वें दिन इस फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जिसके बाद इकी कुल कमाई 35.70 करोड़ रुपये हो गई है।बता दें, कई शहरों में फिल्म थिएटर से उतरने लगी है।

रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड थलाइवर171 का टाइटल कूली का टीजर रिलीज

पैन इंडिया सुपरस्टार रजनीकांत की थलाइवर 171 मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. फैंस इसकी हर एक अपडेट के इंतजार में रहते हैं. इसके कलाकारों की अनाउंसमेंट करने के बाद अब मेकर्स फाइनली इसके टाइटल को रिवील करने वाले हैं वो भी शानदार टीजर के साथ. हाल ही में मेकर्स ने थलाइवा की अपकमिंग फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया और साथ ही इसके टाइटल को रिवील करने की अनाउंसमेंट किया. अब फाइनली इसका नाम रिवील हो गया है. रजनीकांत की 171वीं फिल्म के टाइटल का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. अब आखिरकार उनका इंतजार खत्म हुआ और थलाइवा की फिल्म का नाम सामने आ गया है. मेकर्स ने जबरदस्त टीजर के साथ फिल्म का नाम रिलीज किया है. थलाइवर 171 का टाइटल अब कूली है. रिलीज किए गए टीजर में रजनीकांत शानदार लुक में दिखाई दे रहे हैं. एक्शन से भरपूर टीजर दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है. रजनीकांत की 171वीं फिल्म के टाइटल का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. अब आखिरकार उनका इंतजार खत्म हुआ और थलाइवा की फिल्म का नाम सामने आ गया है. मेकर्स ने जबरदस्त टीजर के साथ फिल्म का नाम रिलीज किया है. थलाइवर 171 का टाइटल अब कूली है. रिलीज किए गए टीजर में रजनीकांत शानदार लुक में दिखाई दे रहे हैं. एक्शन से भरपूर टीजर दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है.

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की संघर्ष जारी

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है।फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की जा रही है।अब बड़े मियां छोटे मियां की कमाई के 12वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। यह अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े मियां छोटे मियां ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी सोमवार को 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 56.55 करोड़ रुपये हो गया है।मानुषी छिल्लर, सोनाक्षी सिन्हा, पृथ्वीराज सुकुमारन और अलाया एफ भी बड़े मियां छोटे मियां का अहम हिस्सा हैं।इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। फिल्म को लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। दूसरी ओर अजय देवगन की फिल्म मैदान को भले ही बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से भिड़ंत का नुकसान उठाना पड़ रहा हो, लेकिन अजय की उम्दा अदाकारी और फिल्म की कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर शानदार कारोबार करने के अब मैदान का दैनिक कारोबार लाखों में सिमट गया है। आइए जानते हैं 12वें दिन मैदान के खाते में कितने लाख रुपये आए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 12वें दिन मैदान ने 80 लाख रुपये का कारोबार किया। अब इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 36.40 करोड़ रुपये हो गया है।मैदान में अजय की जोड़ी पहली बार प्रियामणि के साथ बनी थी। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा ने किया है। बोनी कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं।

धांसू अंदाज में दिखी लेडी सिंघम दीपिका पादुकोण

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवी फिल्म सिंघम अगेन पिछले लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। फैंस इस मल्टीस्टारर फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित ने कुछ समय पहले फिल्म के सारे कैरेक्टर से दर्शकों को इंट्रोड्यूस करवाया था, जिसके बाद से फैंस इस फिल्म को लेकर बेहद एक्साइडेट हैं।

फैंस के एक्साइटमेंट को दोगुना बढ़ाने के लिए रोहित ने एक बार फिर दीपिका पादुकोण का लुक पोस्टर शेयर किया है। इस फोटो में एक्ट्रेस का दमदार अवतार देखने को मिल रहा है। रोहित शेट्टी ने इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है कि ये मेरी हीरो है। रील और रियल लाइफ में भी लेडी सिंघम।

सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। फोटो पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। किसी एक यूजर ने लिखा कि एक मां यूनिफॉर्म पहनकर देश की सेवा कर रही है। तो किसी अन्य यूजर ने लिखा कि लेडी सिंघम फायर है। मजा आ गया बाबू भैया।।।

वहीं दीपिका के फर्स्ट लुक पोस्टर में एक्ट्रेस ने पुलिस की वर्दी पहने चंडालिका रूप दिखाया था। पोस्टर में एक्ट्रेस गुंडे के ऊपर बैठकर उसके बाल को एक हाथ के खींच रही हैं और दूसरे हाथ से उसके माथे पर बंदूक ताने हुए नजर आईं थीं।

बता दें कि साल 2022 में आई फिल्म सर्कस के दौरान डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अपनी लेडी सिंघम का खुलासा कर दिया था। उन्होंने बता दिया था कि दीपिका पादुकोण ही सिंघम अगेन में लेडी सिंघम बनेंगी। बता दें कि इन दिनों मुंबई में सिंघम 3 की शूटिंग चल रही है। मुंबई में ही इसका सेट तैयार किया गया है। वहीं फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें को दीपिका के अलावा रोहित की इस मल्टीस्टारर फिल्म में दीपिका के अलावा अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार जैसे कलाकार धमाल मचाते हुए नजर आएंगे। खबरें हैं कि ये मूवी इसी साल 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी।

फिल्म हनुमान का जलवा अब भी बरकरार, 25 स्क्रीन्स पर 100 दिन पूरे किए

साल 2024 की पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म होने का तमगा हासिल करने वाली हनुमान का जलवा अब भी कायम है। मकर संक्रांति के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। इस फिल्म की कहानी से लेकर वीएफएक्स तक लोगों को खूब पसंद आए थे। दक्षिण भारत के अलावा हिंदी भाषी राज्यों में भी फिल्म ने जबर्दस्त कमाई की थी।

अब इस फिल्म ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। दरअसल, फिल्म ने सिनेमाघरों में अपने 100 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म ने तेलुगु राज्यों के 25 केंद्रो में 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इस बात की जानकारी खुद फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने दिया है।

उन्होंने लिखा, इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा जो लोग भी बने उनके लिए मेरा दिल अत्यधिक कृतज्ञता से भरा हुआ है। सिनेमाघरों में हनुमान के 100 दिन का जश्न मनाना एक ऐसा क्षण है, जिसे मैं जीवन भर याद रखूंगा। इस मील के पत्थर के लिए मैं दर्शकों का आभारी हूं।

इन दिनों दो से दो से तीन सप्ताह तक चलने वाली तेलुगु फिल्मों के बीच हनुमान का सिनेमाघरों में 100 दिन तक प्रदर्शित होते रहना किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। इस फिल्म में तेजा सज्जा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनकी अदाकारी फैंस को खूब पसंद आई थी।

प्रशांत इन दिनों इस फिल्म के सीक्वल जय हनुमान पर काम कर रहे हैं। हाल ही में इसका एक पोस्टर भी जारी किया गया था, जिसे देखकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए थे।

वरुण धवन के फैंस को मिला सरप्राइज, फिल्म बेबी जॉन का नया पोस्टर रिलीज

वरुण धवन इन दिनों अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। फिल्म निर्माताओं ने बेबी जॉन का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर में वरुण धवन एकदम अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। दर्शकों ने इससे पहले उन्हें इस लुक में नहीं देखा होगा। यही वजह है कि लोग सोशल मीडिया पर इस नए पोस्टर को लेकर जमकर बातचीत कर रहे हैं।

फरवरी में फिल्म के नाम की घोषणा होने के बाद से ही दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज वरुण धवन के 37वें जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। वरुण के चाहने वालों के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं है। दर्शकों को उम्मीद है कि इस फिल्म में उन्हें शानदार एक्शन देखने को मिलेगा।

फिल्म बेबी जॉन के नए पोस्टर को फिल्म के निर्माता मुराद खेतानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रिलीज किया है। पोस्टर में वरुण धवन शर्टलेस नजर आ रहे हैं। इसमें उनके लंबे बाल और दमदार बॉडी को भी साफ देखा जा सकता है। पोस्टर में वरुण धवन बारिश के बीच किसी आदमी की गर्दन को पकड़े हुए दिख रहे हैं। उनके चेहरे पर गुस्सा झलक रहा है। इस पोस्टर के साथ मुराद खेतानी ने कैप्शन में लिखा, बेबी जॉन की ताकत वरुण धवन को जन्मदिन की शुभकामनाएं। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। बेबी जॉन जल्द आ रही है।

फिल्म का निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है। मुराद खेतानी के साथ-साथ एटली ने भी इसका निर्माण किया है। फिल्म में वरुण धवन के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी अभिनय करती नजर आएंगी। बता दें कि बेबी जॉन से अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है।

आम चुनाव में जनता निर्णय लेगी

अखिलेश आर्येन्द

ताजा सर्वेक्षण बताते हैं कि इस बार के आम चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और विकास प्रमुख मुद्दे के रूप में हावी रहने वाले हैं। ये मुद्दे मतदाताओं के लिए अपना सांसद चुनने में काम में आएंगे।

पिछले पांच साल में देश की हालत में कितना सुधार हुआ और जनता के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने जनता की बेहतरी के लिए कितनी जिम्मेदारी से कार्य किए, यह भी मतदाताओं पर असर डालेगा। इसी तरह 2019 में एनडीए सरकार ने किन घोषणाओं या वादों को पूरा किया और कौन-सी घोषणाएं एनडीए की केंद्र और राज्यों में उसकी सरकारें पूरा करने में नाकाम रहीं, इस बार के आम चुनाव में जनता द्वारा उन सारे मुद्दों पर गौर करके मतदान करने की बात ताजा सर्वेक्षण में सामने आई है।

ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक नौकरी और बेरोजगारी का मुद्दा लोगों के लिए सबसे अहम रहने वाला है। तमाम ऐसे लोगों की राय है कि अर्थव्यवस्था पर राज्य और केंद्र सरकार को सबसे ज्यादा गौर करने की जरूरत है क्योंकि गैर-बराबरी बढ़ी है। वहीं पर सर्वेक्षण में महिलाओं को रोजगार के अवसर कम होने की शिकायत भी है। बेरोजगारी के अलावा महंगाई का मुद्दा सबसे अहम है। रोजमर्रा की वस्तुओं में बढ़ोतरी से भी आम लोगों में खासी नाराजगी है खासकर गरीब, ग्रामीण और मजदूरी करके परिवार पालने वाले मजदूरों में। निम्न मध्यम और मध्यम वर्ग की भी महंगाई को लेकर सबसे ज्यादा शिकायत है।

उज्ज्वला और मुफ्त राशन योजना से भारत का निम्न वर्ग राहत महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि भाजपा के नये चुनाव घोषणापत्र में गरीबों को मुफ्त राशन की योजना को अगले पांच साल और बढ़ा दिया गया है। निश्चित ही इसका असर चुनाव परिणाम में दिखाई देगा क्योंकि 2019 में निम्न और माध्यम वर्ग ने केंद्र की मुफ्त राशन योजना को पसंद किया था। आयुष्मान योजना को विस्तार देते हुए गरीबों के अलावा सत्तर साल के बुजुगरे को भी इसका लाभ देने की बात जरूर नई है, इससे करोड़ों बुजुगरे को फायदा मिलेगा। इसी तरह पिछले पांच सालों में विकास की अहमियत को 48 प्रतिशत जनता ने स्वीकार किया। सबसे दिलचस्प राय भ्रष्टाचार को लेकर लोगों में देखने को मिली। महज 8 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार को तवज्जो दी यानी 92 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार को कोई खास तवज्जो ही नहीं दी, जबकि दस साल पहले भ्रष्टाचार सबसे गंभीर मुद्दा हुआ करता था। उस समय देश में बेरोजगारी की दर 5 प्रतिशत के आसपास थी, लेकिन अब यह 6.8 प्रतिशत के आसपास है। पिछले चुनाव में बेरोजगारी को लेकर लोग इतने आक्रामक नहीं थे जितने आज हैं। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी, महंगाई और लगातार कीमतों में बढ़ोतरी है। महंगाई में कुछ कमी आई है, लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को भी व्यावहारिक बनाना होगा।

इसी तरह करोड़ों गरीबों को शौचालय, सूर्य घर योजना से 300 यूनिट मुफ्त बिजली के अलावा स्टार्टअप के जरिए रोजगार देने की कवायद की गई। फिर भी नौकरी और बेरोजगारी का मुद्दा इस चुनाव में छा गया है, इसके पहले इस पर लोग इतने उग्र नहीं थे। इसलिए कोई भी गठबंधन सत्ता में आए उसके सामने करोड़ों युवाओं को रोजगार देने और महंगाई को कम और स्थिर बनाए रखने की चुनौती तो होगी ही।

भाजपा का घोषणापत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जारी करते हुए कहा कि उन्हें यदि पांच साल और मिलते हैं तो वे भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, लेकिन पिछले दस वर्षों में देश में कई स्तरों पर बदलाव आए हैं। करोड़ों नये युवा मतदाता इस बार के चुनाव में अपने मत का इस्तेमाल करेंगे। इनका भरोसा जीतना चुनौती ही है। वे रोजगार चाहते हैं, और देश को आगे बढ़ता हुआ भी देखना चाहते हैं। केंद्र में सरकार बनाने वाले गठबंधन को इन युवा मतदाओं की चाहत को हर हाल में पूरा करना ही होगा। इसी तरह महिलाएं भी सुरक्षा के साथ नौकरी भी चाहती हैं। वे आगे बढना़ चाहती हैं और इसमें केंद्र सरकार से अपनी बेहतरी के लिए उम्मीद भी लगाए हुए हैं। इसलिए भाजपा नीत एनडीए गठबंधन और कांग्रेस का 'इंडिया' गठबंधन, दोनों ही महिलाओं के आर्थिक हालात मजबूत करने की बात अपनी चुनावी घोषणाओं में करते दिखते हैं।

बेशक, देश की साख दुनिया में पहले से बेहतर हुई है। कश्मीर मुद्दा भी एक झटके में हल कर लिया गया है। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसे जघन्य कानून को खत्म कर दिया गया। अंग्रेजी शासन की गुलामी के तमाम प्रतीकों को बनाए रखने वाले कानूनों को खत्म या बदल दिया गया। यह आजादी के बाद 'मोदी है तो मुमकिन है' के तहत किया गया। इसी तरह से नई शिक्षा नीति 2019-20 में लागू की गई। इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति के रूप में देखा गया। इसी तरह विदेश नीति का मूल्यांकन करने वालों का मानना है कि आजादी के बाद पहली बार है जब दुनिया के तमाम विकसित देश भी भारत के सामने नतमस्तक हुए। जी-20 की अध्यक्षता, हिन्दी, उर्दू और बंगला को संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रायोगिक भाषा के रूप में मान्यता मिलने, भारतीय भाषाओं को अंग्रेजी से ज्यादा महत्त्व दिलाने और चीन के आगे सीना तान के खड़े होने और रूस-यूक्रेन युद्ध में परोक्ष मध्यस्थता करने जैसी तमाम उपलब्धियां भारत की विदेश नीति का हिस्सा रही हैं। ये उपलब्धियां केंद्र सरकार की बेहतर और व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा रही हैं। इसी तरह आतंकवाद से मुक्त भारत की छवि पहली बार पिछले दस वर्षों में दुनिया में चर्चा का विषय रही।

पौराणिक और पर्यटक स्थलों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। नये एम्स और आईआईएम जैसे संस्थानों को खोलने पर जिस तरह केंद्र सरकार ने अहमियत दी, उसका ही परिणाम है कि आज सेहत और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति दिखाई देने लगी है। इस तरह चुनाव में महज बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को विपक्ष द्वारा हवा देना न्याय संगत नहीं कहा जा सकता। फिर भी चुनाव की हलचल में कौन मुद्दे असरदायक होंगे और कौन-सी उपलब्धियों को जनता अहमियत देती है, यह तो परिणाम आने पर पता चलेगा, लेकिन जनता इस समय निर्णायक की भूमिका में है, जो निर्णय लेगी अपना अच्छा-बुरा समझ कर ही लेगी।

गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें

कार्यस्थल पर कोई भी निर्णय लेते समय देश के गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के अधिकारियों के समूह से मुलाकात के दौरान कहा।

आर्थिक संकेतक प्रगति के उपयोगी मापदंड माने जाते हैं, इसलिए सरकारी नीतियों को प्रभावी और उपयोगी बनाने में अर्थशास्त्रियों की भूमिका को उन्होंने बहुत उपयोगी बताया।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में उन्हें आने वाले समय में अपनी क्षमताओं को पूरी तरह विकसित कर उनका उपयोग करने के असंख्य अवसर मिलेंगे।

कार्यस्थल पर नीतिगत सुझाव देते समय या निर्णय लेते हुए देश के गरीब और पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान रखें। आर्थिक विश्लेषण और विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही संसाधन वितरण प्रणाली और योजनाओं के मूल्यांकन के लिए उचित सलाह प्रदान करने की बात भी उन्होंने की।

2022-2023 के बैच के आईईएस अधिकारियों में 60त्न महिलाओं के होने की बात की और इससे महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम करने का आग्रह भी किया।

ऐसे दौर में जब आर्थिक विसंगतियां बढ़ती जा रही हैं, राष्ट्रपति द्वारा अधिकारियों को यह सलाह देना देशवासियों के प्रति उनके मानवतावादी रवैये का द्योतक है। गरीबों और जरूरतमंदों के लिए बनाई गई सरकारी नीतियां जब तक प्रभावी नहीं होंगी, तब तक उनका लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचना मुश्किल है।

देखने में आता है कि सरकारें योजनाएं बना कर उन्हें बिसरा देती हैं। उच्चाधिकारियों के हाथ में है कि वे इनका क्रियान्वयन सुबीते से करें। निस्संदेह इस तरह की नौकरियों में देश के हर वर्ग और हर प्रांत के अधिकारियों का चयन होता है, इसलिए उन्हें बुनियादी समस्याओं और संकटों का भान होता है।

स्वयं राष्ट्रपति ऐसे समुदाय और वर्ग से निकल कर सबसे बड़े पद तक पहुंची हैं कि उन्हें देशवासियों की समस्याओं का न केवल अहसास है, बल्कि गरीबों और महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों को भी उन्होंने करीब से देखा है।

किसी भी समाज की प्रगति तभी नजर आती है, जब उसका सर्वांगीण विकास हो रहा हो। कहना न होगा कि आर्थिक असंतुलन ने हमारे संकटों को बढ़ाया है। यह चुनौती है, जिससे निपटना बेहद जरूरी है। (आरएनएस)

जम्मू-कश्मीर में लक्षित हत्याओं की नई रणनीति के तहत लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिश

सलीम जोह

पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके।

मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है। वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर

को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है।

पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निर्दोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है।

दरअसल, यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे। जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके।

समस्या यह है कि आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है। निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है।

ऐसी हत्याओं से सुरक्षा व्यवस्था के चौकस होने के सरकार के दावों पर भी सवाल उठते हैं। लक्षित हत्याओं की नई रणनीति से आए दिन बाहरी या फिर स्थानीय लोगों को जिस तरह पहचान कर निशाना बना कर मार डालने की घटनाओं के जरिए लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिशों में जिस तरह बढ़ोतरी हुई है, उससे साफ है कि अभी आतंकियों का असर खत्म नहीं हुआ है। किसी की पहचान तय करके उसे मार डालने का एक मकसद यह भी होता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में दूरी और संदेह का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल मन-मुताबिक किया जा सके। जाहिर है, सुरक्षा बलों को अब हालात के मुताबिक नई रणनीति के तहत आतंकियों के खिलाफ मोर्चा लेना होगा।

छात्रों ने किया हेस्को का भ्रमण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कृषि प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा आयोजित स्थाई कृषि विषय पर गतिमान शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आज संस्थान के प्रशिक्षार्थी छात्रों ने हेस्को का भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को ग्रामीण प्रौद्योगिकी, वर्षा जल प्रबंधन, बायोगैस आदि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रयोगात्मक जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात पद्म भूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी द्वारा छात्रों को स्थाई कृषि विषय पर संबोधित किया गया।

डॉ जोशी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन का उपयोग विशेष रूप से जल जो की कृषि कार्यों हेतु अति आवश्यक है। धीरे धीरे कम होता जा रहा है जिससे भविष्य में सिंचाई हेतु जल की भारी कमी हो सकती है, अत: यदि खेती और मानवजाति को बचाना है तो नदियों को बचना होगा। कार्यक्रम में कृषि प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के निदेशक अमित उपाध्याय के साथ हरिद्वार यूनिवर्सिटी, हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ फर्मासि रिसर्च के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

बिजली के बड़े दामों के विरोध में व्यापारियों ने किया पुतला दहन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बिजली के बड़े दामों के विरोध में व्यापारियों ने डिस्पेंसरी रोड चौक पर एक पुतला दहन किया। व्यापारियों ने बिजली के बड़े दामों को वापस लेने की मांग की।

कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा दिल्ली में पंजाब में सरकार बिजली फ्री दे रही है, उत्तराखंड ऊर्जा प्रदेश होने के बाद भी राज्य सरकार दाम बढ़ा रही है। पूर्व विधायक राजकुमार जी ने कहा राज्य सरकार थोड़े-थोड़े दिनों में बिजली के रेट बढ़ा देती है। पहले ही महंगाई चरम सीमा पर है।

महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बांगा ने कहा कि बिजली के बड़े दामों को वापस लिया जाए नहीं तो हम व्यापारी बिजली ऑफिस के बाहर धरना देंगे। इस अवसर पर व्यापारी संजय काला, सुरेश गुप्ता, राम कपूर, प्रवीन बांगा, राजेंद्र सिंह घई, राजेश मित्तल, जाकिर हुसैन, दिनेश नेगी, रजत कुमार, इमरान, राहुल कुमार व बाजार के बहुत सारे दुकानदार उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी व धमकाने के मामले में फरार ईनामी पति-पत्नी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धोखाधड़ी व धमकाने के मामले में बीते एक साल से लगातार फरार चल रहे 5-5 हजार के ईनामी पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 28 अप्रैल को तनुंज पंवार पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी शिवालिक नगर रानीपुर जिला हरिद्वार ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया गया था कि अरूण नाम के एक व्यक्ति ने अपना मकान और गाड़ी बेचने के नाम पर मुझ से 21 लाख रूपये ले लिये। मकान व गाडी न देने व अपने पैसे वापस मांगने पर अरूण व अरूण की पत्नी रूबी द्वारा मेरे साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी गयी है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति पत्नी की तलाश शुरू कर दी गयी। जो लगातार अपने घरों से गायब मिले। इस पर पुलिस द्वारा उन दोनो पर पांच-पांच हजार का ईनाम घोषित किया गया।

इधर ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस टीम व सीआईयु रूड़की की संयुक्त टीम द्वारा बीते रोज कार्यवाही करते हुए उक्त ईनामी पति पत्नी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गयी है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुनस्यारी में बनने वाले ट्रांजिट हॉस्टल लोहाघाट शिफ्ट करने से पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। उत्तराखंड सरकार द्वारा 3 करोड़ 64 लाख की लागत से मुनस्यारी में बनने वाले ट्रांजिट हॉस्टल को लोहाघाट शिफ्ट किए जाने से चीन सीमा क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों में आक्रोश छा गया है। उन्होंने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी तथा सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि अगर इस शिफ्टिंग को रद्द नहीं किया गया तो भाजपा के किसी भी मंत्री, मुख्यमंत्री तथा विधायक को सीमांत में घुसने नहीं दिया जाएगा। साथ ही सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उत्तराखंड सरकार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कैंपस में चिकित्सा कर्मियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 64 लख रुपए स्वीकृत किए गए थे। हॉस्टल के निर्माण कर रही संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग डीडीहाट को उक्त धनराशि शासन द्वारा उपलब्ध भी करा दी गई है।

हॉस्टल के निर्माण के लिए इस बीच भूमि चयन का कार्य चल रहा था कि

कि उत्तराखंड सरकार द्वारा मुनस्यारी के लिए स्वीकृत हॉस्टल को लोहाघाट शिफ्ट कर दिया गया है। इसकी सूचना मिलते ही सीमांत के जन प्रतिनिधियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि सरकार द्वारा आवश्यकता होने पर मुनस्यारी में ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की थी। कार्यदायी संस्था के खाते में स्वीकृत धनराशि तक आ गया था। उसके बाद अचानक बिना किसी कारण के स्वीकृत हॉस्टल का निर्माण स्थल बदलते हुए मुनस्यारी की जगह लोहाघाट किया जाना सीमांत क्षेत्र की जनता के साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव,क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक तथा जिलाधिकारी के साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक कार्यदायी संस्था से धनराशि वापस नहीं मांगी गई है। उन्होंने जिलाधिकारी से विशेष अनुरोध किया है कि वह स्वास्थ्य सचिव से बात करते हुए उक्त धनराशि किसी भी कीमत लोहाघाट स्थानांतरित होने से रोकने का प्रयास करे।

उन्होंने कहा कि अगर यह धनराशि लोहाघाट चली गई तो भाजपा के किसी भी नेता को सीमांत क्षेत्र में घुसने नहीं दिया जाएगा। चाहे वह मुख्यमंत्री तथा मंत्री क्यों ना हो। उन्होंने कहा कि भाजपा की असलियत आम जनता को बताई जाएगी।

चोरी की योजना बनाते तीन शातिर चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चोरी की योजना बनाते हुए तीन शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद हुए है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली नगर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को कांगडा पुल के नीचे तीन लोग दिखायी दिये जो चोरी की योजना बना रहे थे।

पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मनोज सुनार पुत्र राम सिंह निवासी पंतगिरी पार्किगं थाना कोतवाली नगर, अखिलेश पुत्र इंद्रजीत निवासी केशव बस्ती थाना डोईवाला जिला देहरादून व अक्षय पुत्र पहल सिहं निवासी जौनपुर सूदान थाना इंन्द्रे जिला करनाल हरियाणा बताया।

पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सैकडों छात्र-छात्राओं ने टपकेश्वर मंदिर के आसपास व तमसा नदी के किनारे चलाया सफाई अभियान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। तपती गर्मी में मैड संगठन के आह्वान पर दून के युवाओं ने एकजुट होकर टपकेश्वर मंदिर के आसपास तथा तमसा नदी के किनारे फैले कूड़ा करकट की सफाई कर बहाया पसीना।

सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने गंदगी को 100 बोरो मे पहले इकठ्ठा किया और लादकर कूड़ा वाहनों में डाला। इस महाअभियान में मैड सहित आसराट्रस्ट, नेचर्सबड़ी, प्राउड पहाड़ी, परिवर्तन, ह्यूमैनिटेरियन क्लब आदि संस्थाओं के आर्यन कोहली, शिवानी, अंबिका, दक्ष, रविंदर, आर्यन अरोड़ा, अक्षिता, पार्थ, श्रेया, खुशी, महक, शौर्य, केशव, खुशबू, रोहित, तनु, संवि, कृष, आमान, प्रिंस, सौरभ, आर्ची, निखिल, सिंघल, यश, भारती, लव्या, देवयश, अभय, प्रगति ने वॉलंटियर की भूमिका निभाई। वास्तव में यह अभियान राजधानी के सरकारी सिस्टम और जनप्रतनिधियो नेताओ को आइना दिखा रहा था, जिनके पास

मैनपॉवर सहित सभी संसाधन होते हुए भी रिस्पना, बिंदाल, तमसा, आसन नदियां अपनी गंदगी पर वर्षों से आंसू बहा रही है।

अभियान के प्रेरणा स्रोत उच्च न्यायालय के युगल अधिवक्तागण अभिजय नेगी तथा इनकी पत्नी स्निग्धा तिवारी थी।अभिजय ने युवाओ को प्रेरित करते हुए कहा भविष्य में भी संयुक्तनागरिकसंगठन सहित दून की सभी समाज सेवी संस्थाओं को इस अभियान में शामिल करेगे।

अभियान समाप्ति पर मंदिर प्रांगण में संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से सूक्ष्म जलपान आदि के साथ युवाओ से संवाद का आयोजन किया गया जिसमे संगठन के आचार्य बिपिन जोशी, ब्रिगेडियर केजीबहल, राजेश पंत, ताराचंद गुप्ता, विनोद नौटियाल, जगमोहन मेहंदीरता, जीएस जस्सल, अवधेश शर्मा, सुशील त्यागी, तनवीर सिंह ने युवाओ का आह्वान करते हुए कहा की अभियान मे शामिल युवा भविष्य मे बडे होने पर अपने कर्तव्यो के साथ-साथ देशवासियो को स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जागरूक करते रहेगे इसका हमे विश्वास है।संयुक्तनागरिकसंगठन भविष्य मे भी इनके साथ प्रेरणास्रोत के रूप मे खडा रहेगा।

एक नजर

602 करोड़ की ड्रग्स के साथ 14 पाकिस्तानी नागरिक अरेस्ट

नई दिल्ली। गुजरात तट से आतंकवाद विरोधी दस्ते और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने जॉइंट ऑपरेशन के जरिए 86 किलोग्राम ड्रग्स बरामद किया है। बाजार में इसकी कीमत करीब 602 करोड़ रुपए आंकी गई है। एटीएस और एनसीबी ने संयुक्त कार्रवाई कर 14 पाकिस्तानी नागरिकों को भी अरेस्ट किया है। बता दें कि ये ऑपरेशन पिछले 2 दिन से चल रहा था। ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में पाकिस्तानी नागरिकों ने एटीएस अधिकारियों पर अपनी नाव चढ़ाने की कोशिश की और पुलिस को जवाबी कार्रवाई में फायरिंग करनी पड़ी। इसके बाद संदिग्धों को पकड़ लिया गया। सुरक्षा एजेंसियां पिछले दो दिनों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास भारतीय जल सीमा के भीतर तलाशी अभियान चला रही थीं। इंडियन कोस्ट गार्ड ने समुद्र में खुफिया जानकारी के आधार पर मादक द्रव्य विरोधी अभियान चलाया। जिसमें पाकिस्तानी नाव के 14 चालक दल के साथ 602 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 86 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया।

इंडियन कोस्ट गार्ड ने आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के सहयोग से एक सफल ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए भारतीय तटरक्षक जहाजों और विमानों को मिशन पर तैनात किया गया था। एनसीबी और एटीएस अधिकारियों को ले जा रहे आईसीजी ने जहाज राजरतन ने संदिग्ध नाव की पहचान की।

बॉलीवुड एक्टर साहिल खान गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर साहिल खान को मुंबई क्राइम ब्रांच की एसआईटी ने गिरफ्तार में ले लिया है। साहिल खान पर बेटिंग साइट चलाने और बेटिंग को प्रमोट करने का आरोप है। जिसके तहत उन पर कार्रवाई की गई है। एसआईटी ने साहिल को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से गिरफ्तार किया है। जिसके बाद उन्हें मुंबई लाया गया। जिसके बाद साहिल को शिंदेवाड़ी-दादर कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें 1 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मीडिया सके सवालों पर एक्टर साहिल

खान ने कहा कि उन्हें मुंबई पुलिस और देश के कानून पर पूरा भरोसा है और सच्चाई सामने आएगी। जानकारी के मुताबिक मुंबई के माटुंगा पुलिस महादेव बेटिंग ऐप केस की जांच में एक्टर साहिल खान का नाम आया था। साहिल द लायन बुक एप नाम के एक सट्टेबाजी एप से जुड़े थे जो कि महादेव सट्टेबाजी ऐप नेटवर्क का ही हिस्सा है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने साहिल से पूछताछ भी की थी। मुंबई के माटुंगा पुलिस मेहादेव बेटिंग ऐप केस की जांच में साहिल खान का नाम सामने आया था। साहिल ने जमानत के लिए कोर्ट का रुख किया था लेकिन कोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली थी। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। उधर मुंबई लाए जाने पर पत्रकारों से साहिल ने कहा कि उन्हें देश की कानून व्यवस्था पर पूरा यकीन है।

शादी के कार्ड पर पीएम मोदी का प्रचार करना दूल्हा-दुल्हन को पड़ा भारी

नई दिल्ली। कर्नाटक के एक अनोखे मामला सामने आया है। यहां शादी के कार्ड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वोट देने की अपील करना एक दूल्हा-दुल्हन को भारी पड़ गया। उप्पिनंगडी पुलिस ने इस मामले में उनके खिलाफ केस दर्ज किया है। शादी के निमंत्रण पत्र में, दूल्हा और दुल्हन ने लिखा, इस बार फिर से, नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना ही दूल्हा और दुल्हन को तोहफा है। क्योंकि हमारा आने वाला भारत सुरक्षित होना चाहिए। इस अपील के बाद, चुनाव आचार संहिता प्रवर्तन निगरानी दल के अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने दूल्हे के खिलाफ

मामला दर्ज किया है। ऐसा ही एक मामला पहले तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में भी सामने आया था, जहाँ एक दूल्हे के पिता ने शादी के निमंत्रण पत्र पर मेहमानों से उपहार लाने के बजाय आगामी लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वोट देने की अपील की थी। उस निमंत्रण पत्र में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर के साथ लिखा था, नरेंद्र मोदी को वोट देना ही सबसे अच्छा उपहार होगा। नंदीकांति नरसिम्लु और उनकी पत्नी नंदीकांति निर्मला ने अपने इकलौते बेटे की शादी के निमंत्रण पत्र पर यह अनोखी अपील की थी। हालांकि, शादी के निमंत्रण पत्र पर इस तरह की अपील करना कानूनी रूप से सही नहीं है और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना जा सकता है। इसीलिए इन दोनों मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है।

ऑनलाइन इंजिनियरिंग इंट्रेंस परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन इंजिनियरिंग इंट्रेंस परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को एसओजी व एसटीएफ मेरठ की टीम ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि गत दिवस एसटीएफ मेरठ की टीम से देहरादून के कुछ संस्थानों में नकल माफियाओं द्वारा विभिन्न आनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों को नकल कराये जाने के समबन्ध में गोपनीय जानकारी प्राप्त हुई थी, जिस पर देहरादून पुलिस द्वारा एसटीएफ मेरठ की टीम से समन्वय स्थापित करते हुए 27 अप्रैल 2024 को एसओजी देहरादून तथा एसटीएफ मेरठ उत्तर प्रदेश की संयुक्त टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर सहस्त्रधारा रोड एक कन्सल्टेंसी लैब में दबिश दी गई, जहां पर 20 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच वेलोवर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलाजी तमीलनाडू की आनलाइन इन्ट्रेंस परीक्षा भी आयोजित की गई थी। छापेमारी की कार्यवाही के दौरान पुलिस टीम को मौके पर 2 व्यक्ति जितेश कुमार पुत्र रामबाबू सिन्हा निवासी ग्राम पोस्ट अत्री थाना रुन्नी सैदपुर जिला सीतामढ़ी हाल निवासी सहस्त्रधारा रोड डंडा लाखोंड आईटी पार्क देहरादून व राहुल कुमार पुत्र अंजनी कुमार ठाकुर निवासी अघोरिया बाजार प्रोफेसर कॉलोनी थाना काजिमोहम्मदपुर जिला मुज्जफ्फरपुर बिहार हाल निवासी रुद्राक्ष एन्क्लेव डंडा लाखोंड आईटी पार्क देहरादून मौजूद मिले। जिनकी तलाशी में पुलिस टीम को उनके पास से मोबाइल फोन, लैप टॉप तथा 20 से 25 अप्रैल तक आयोजित की गई परीक्षा मे सम्मिलित कुछ परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड तथा उनके एप्लीकेशन नम्बर लिखी हुई आनलाइन एक्जाम की डिस्प्ले की फोटो कॉपी बरामद हुई, जिसके सम्बन्ध में सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा उक्त परीक्षा में अभ्यर्थियों के सिस्टम का सर्वर रूम से एक्सेस प्राप्त कर आनलाइन पेपर साल्व करवाने की बात स्वीकार की गई। दोनो आरोपियों को पुलिस द्वारा मौके से गिरफ्तार किया गया तथा आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल, इलेक्ट्रानिक उपकरण व परीक्षार्थियों से सम्बन्धित दस्तावेजों को कब्जे में लिया गया। उक्त प्रकरण में मेरठ एसटीएफ की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर राहुल कुमार, जितेश कुमार, कुलवीर तथा गौरव यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में गिरोह के सरगना कुलवीर निवासी हरियाणा तथा गौरव निवासी बिजनौर का नाम प्रकाश में आया है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

पीएसी का वाहन लेकर चलता बना नशेडी!

संवाददाता

देहरादून। नशेडी युवक ने पीएसी का वाहन लेकर चलता बना। पुलिस का वाहन होने का पता चलने पर थोडी दूरी पर छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस एक्ट में चालान कर छोड दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसारी आज सुबह लगभग सात बजे पीएसी कैंप रायपुर के बाहर सड़क पर खड़े पीएसी वाहन को अमन भार्गव पुत्र दीपचंद शर्मा निवासी एमडीडीए कॉलोनी डालनवाला थाना रायपुर द्वारा एक पुरानी चाबी की मदद से स्टार्ट करके पीएसी कैंप रायपुर से कुछ दूरी तक ले गया।

जब उसे जानकारी हुई की यह पुलिस की गाड़ी है तो गाड़ी को सड़क के किनारे छोड़कर चला गया। जिसे थाने लाकर पूछताछ की गई तो पता चला की अमन भार्गव नशे का आदी है तथा मानसिक रूप से भी कमजोर है। जिसका चालान अंतर्गत धारा 81 पुलिस एक्ट कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा भी बताया गया की अमन मानसिक रूप से कमजोर है, कोई काम धाम नही करता है और नशा करके इधर उध र घूमता रहता है। साथ ही परिजनों की काउंसलिंग भी की गई जिससे अमन भविष्य में ऐसी गलती ना करे।

उपरोक्त घटना के दृष्टिगत संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित करने हेतु जांच की कार्यवाही की जा रही है।

किसान को निवाला बनाने वाली बाघिन को ट्रॅक्युलाईज कर पकड़ा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामनगर कार्बेट टाइगर रिजर्व की ढेला रेज के अर्न्तगत किसान को निवाला बनाने वाली बाघिन को वन विभाग की टीम द्वारा बीती रात उसे ट्रॅक्युलाईज कर पकड़ लिया गया है। जिसे बेला रेस्क्यू सैन्टर में वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी की निगरानी में रखा गया है।

बता दें कि बीती 17 अप्रैल को ग्राम मनोरथपुर बासीटीला में एक किसान को बाघ द्वारा अपना शिकार बना लिया गया था। घटना के उपरान्त क्षेत्र में वन विभाग द्वारा लगातार कैमरा ट्रैप ड्रोन आदि के माध्यम से चिन्हित बाघ को ट्रैक करने की कार्यवाही की जा रही थी एवं उच्च स्तर से अनुमति मिलने के उपरान्त चिन्हित बाघ को रेस्क्यू करने हेतु घटना स्थल के आस-पास वन क्षेत्रों में 2 पिंजरे लगाये गये थे तथा निदेशक,कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा पूरे रेस्क्यू अभियान की मॉनिटरिंग की जा रही थी।

बताया जा रहा है कि बीती देर रात चले रेस्क्यू ऑपरेशन में कार्बेट टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीमों के द्वारा चिन्हित मादा बाघ को बीती 17 अप्रैल को हुए घटना स्थल के आस-पास लगे वन क्षेत्र में सफलतापूर्वक ट्रॅक्युलाईज कर लिया गया,जिसके उपरान्त उसे बेला रेस्क्यू सैन्टर में वरिष्ठ पशुचिकित्साधिकारी की निगरानी में रखा गया है। चिन्हित व्यस्क मादा बाघ की उम्र लगभग 2-3 वर्ष है तथा उसका डी.एन.ए. सैम्पल लिया गया है जिसे पूर्व में लिये गये सैम्पल से मिलान हेतु कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केन्द्र हैदराबाद भेजा जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।